

सिचुएशन रिक्वेशन टैस्ट →

परिस्थितियाँ निर्मित करके यह पूछा जाना
- चाहिए कि आप ऐसी स्थिति में क्या
करेंगे ?

दूसरों की भावनाओं एवं संवेगों के लिए
ठोस से समझने के लिए यह आवश्यक
है कि उनकी बातों को धैर्य पूर्वक सुना
जाए।

स्कूलों एवं महाविद्यालयों / शैक्षणिक संस्थानों में
सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों जैसे- खेलकूद,
नाटक, वाद-विवाद प्रतियोगिता और अन्य
सांस्कृतिक समारोहों का विधिवत रूप से
आयोजन हो।

विवादित एवं संवेदनशील मुद्दों पर बोलने
से पहले सोचना ताकि लोगों की भावनाएँ
घाए न हों।

शिक्षण व प्रशिक्षण के माध्यम से भी
संवेगात्मक बुद्धि का विकास किया जा सकता है।

महान नेता, विचारक, सुधारक, प्रशासक, दार्शनिक :-

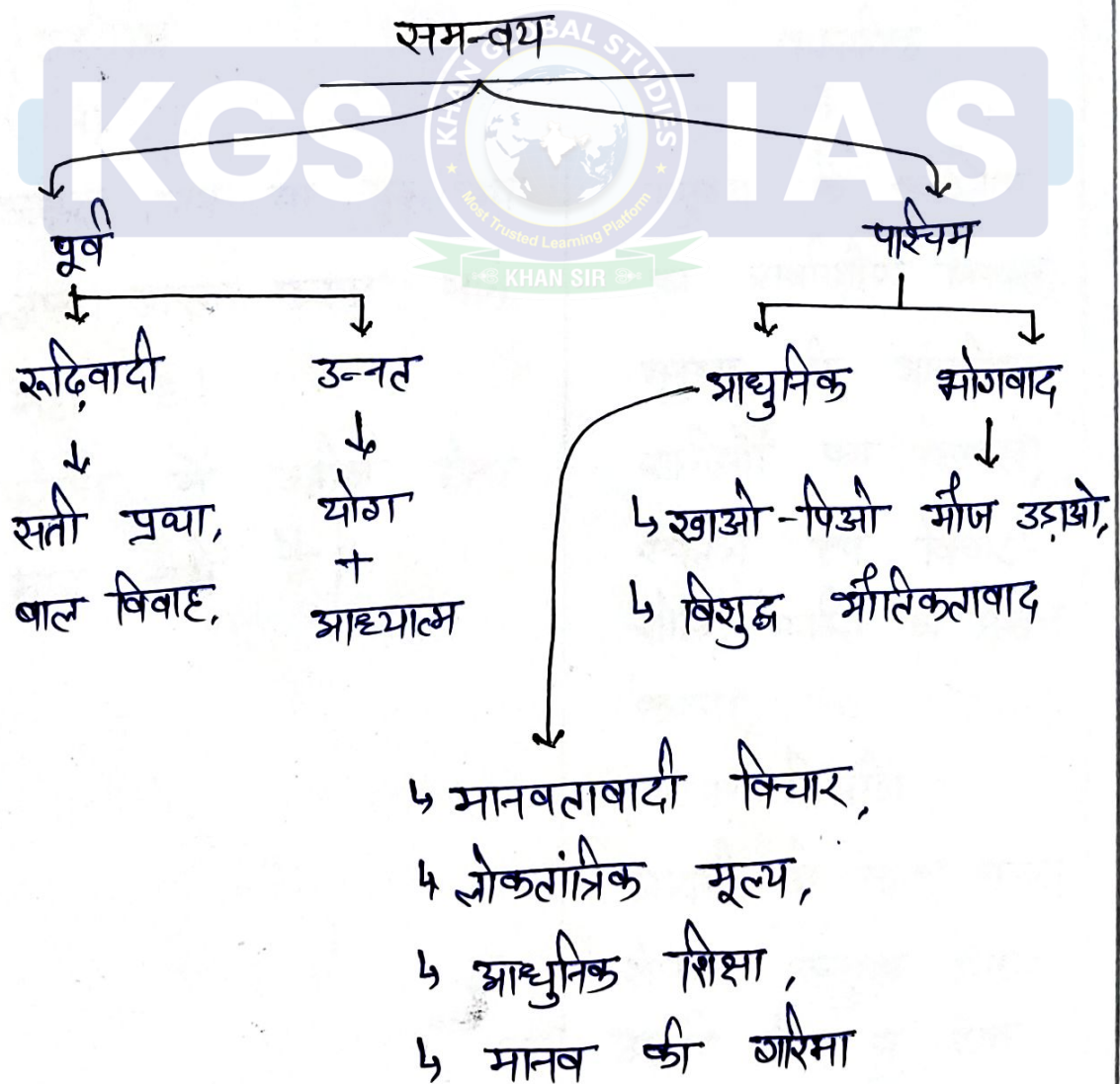
समाज सुधारक →

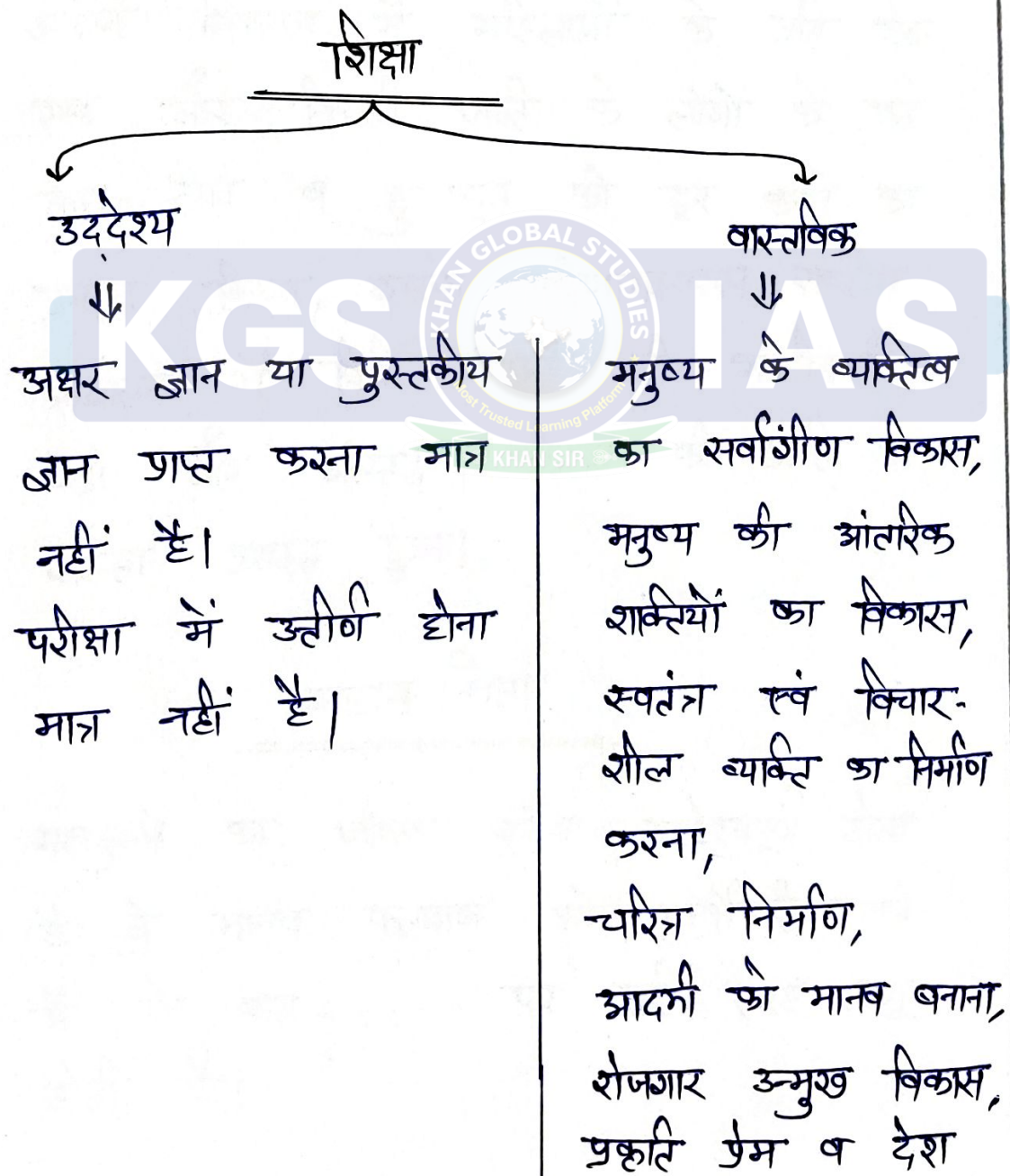
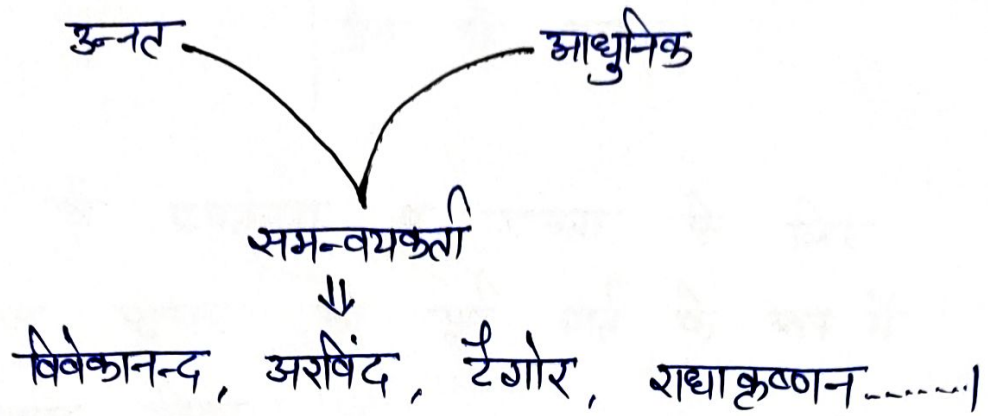
- तात्कालिक सामाजिक परिस्थितियों से असंतुष्ट थे।
- समाज में प्रचलित कुशितियों को दूर करने के लिए हृदय संकल्पित थे।
- 19 वीं सदी के महान धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक सुधारक।
- भारतीय समाज के पिछड़ेपन के कारणों को उजागर किया।

विरोध	समर्पण
→ समाज में प्रचलित ग्रंथ-विश्वासों, खादेवादी परंपराओं तथा कुशितियों का विरोध किया, जैसे - सतीप्रथा (राजा राम मोहन राय, विलियम बेंटिक, 1829), बाल विवाह, बहुपत्नी प्रथा,	↳ नारी - शिक्षा, अधिकार, सशक्तिकरण, स्वतंत्रता, भागरूकता, विधवा पुनर्विवाह (ईश्वर चंद विद्यासागर, लॉर्ड डलहौजी), लिंग समानता, प्रकृति प्रेम, प्रेम की स्वतंत्रता,

कन्या विवाह, कन्या वध (1870, लॉर्ड मेयो), अस्पृश्यता, अंधा-धुंध पश्चिमीकरण, विधवा पुनर्विवाह निषेध, अमानवीय सामाजिक व्यवहार, महिला निरक्षरता।

व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास पर बल (नैतिक, भौतिक, मानसिक, आध्यात्मिक)।





| प्रेम को बढ़ावा |

- देश की स्वतंत्रता व एकता के लिए समाज सुधार को पूर्ण शर्त के रूप में स्वीकार किया।
- उन्होंने समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव और निचली जाति के लोगों के प्रति ऊँच-नीच व दुआदूत को दूर करने का प्रयास किया, इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आंदोलन में विभिन्न वर्गों की भागीदारी बढ़ी और अंततः स्वतंत्रता की प्राप्ति अशरता प्रशस्त हुआ।

महान नेता

- महापुरुषों का जीवन सदैव उद्देश्यपूर्ण होता है वे मानव कल्याण को सर्वोपरि मानते हैं ये बात - - - - - पर पूरी तरह लागू होती है।

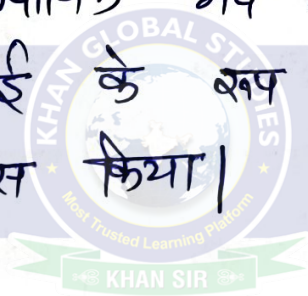
- व्यक्तिगत हित के स्थान पर सार्वजनिक हित को प्राथमिकता दी।
- महान अनुशासन, वैचारिक स्पष्टता, दूरदर्शिता व आत्मविश्वास से युक्त थे।
- उन्होंने देशवासियों के हृदय में समर्पण का भाव जागृत किया, जिससे प्रेरित होकर अनेकों ने अपने जीवन को देश के लिए समर्पित कर दिया।
- उन्होंने अपने प्रयासों से देशवासियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाया, वे व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ सार्वजनिक जीवन में भी ईतिवृत्ता के पक्षधर थे।
- उन्होंने समाज में बदलाव का संकल्प लिया और उसे साकारित भी किया।
- उन्होंने अपने विचारों व कार्यों से समाज को एक नयी दिशा दी।
- उनके हृदय में कमजोर वर्गों के प्रति

समानुभूति, सहिष्णुता व करुणा का भाव
था।

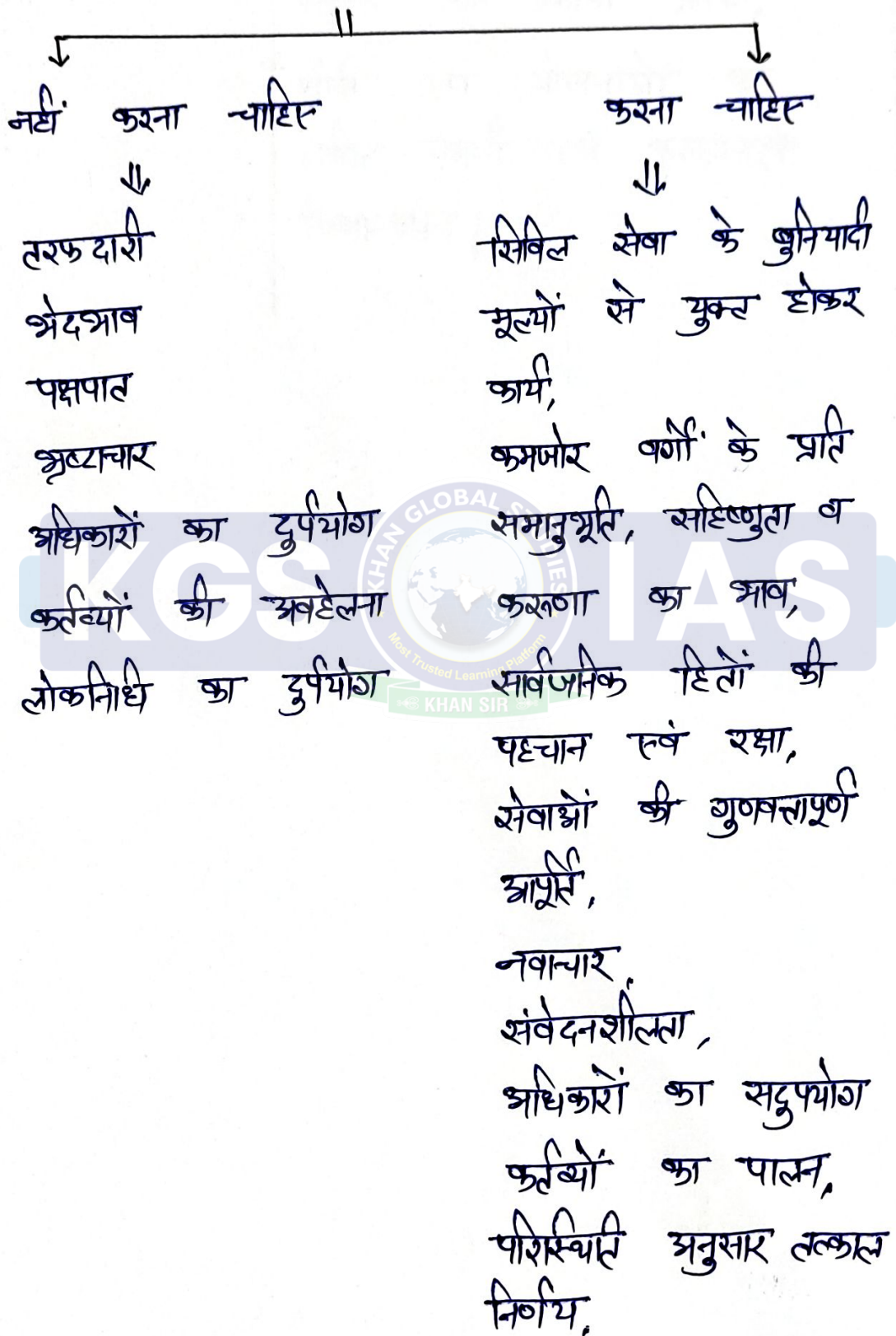
महान नेता के लक्षण →

- जो जाति, धर्म, संपत्ति, भाषा आदि के आधार पर राजनीति न करे, जिसके लिए सभी व्यापक समान हो, जो सबका साथ - सबका विकास - सबका प्रयास में न केवल विश्वास करता हो बल्कि उसे साकारित भी करता हो, जो जनता के प्रति जवाबदेह हो।
- जो कहे वा करे।
- जो समाज में बदलाव का संकल्प जगा सके और उसे व्यावहारिक रूप भी दे।
- समाज के हर तबके के लोगों की मूल-मूल आवश्यकताओं की पूर्ति का प्रयास करे।

- जिसका व्यक्तित्व संतुलित हो।
- संवेगात्मक बुद्धि से युक्त हो।
- दूरदर्शीता हो व टीम वर्क की भावना हो।
- जिस पथ पर महान लोग चले हों
उनका अनुसरण करना चाहिए।
- जातिगत व साम्प्रदायिक भेद-भाव को भुला-
कर संपूर्ण इकाई के रूप में लक्ष्य
प्राप्ति का प्रयास किया।



प्रशासक



समस्याओं के निराकरण में
अनुभव का प्रभावी प्रयोग,
नीति एवं योजनाओं का
त्वरित, प्रभावी एवं कुशलतापूर्वक
क्रियान्वयन।

